

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला



उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)
{Commerce}
SET : 03

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर-वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड-1 (Section-1)

निर्देश :-यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये हैं। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। (Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

(1) निम्न में से कौन-सा अवसर का प्रकार है।

- (A) प्रथम अवसर (B) निर्मित अवसर
(C) अन्तिम अवसर (D) इनमें से कोई नहीं

Which of the following is a kind of opportunities?

- (A) First opportunities (B) Created opportunities
(C) Last opportunities (D) None of these

(2) समाजिक ढाँचा की रचना होती है।

- (A) समाज के क्रियात्मक विभाजन से (B) जाति के क्रियात्मक विभाजन से
(C) समुदाय के क्रियात्मक विभाजन से (D) इनमें से कोई नहीं

Social Structure is composed of?

- (A) Functional division of Society (D) Functional division of Caste
(B) Functional division of Community (D) None of these

(3) बाजार की माँग को निम्न में से क्या कहते हैं।

- (A) माँग की भविष्याणी (B) वास्तविक माँग
(B) पूर्ति (D) इनमें से कोई नहीं

Market Demand is also known as!

- (A) Demand Forecasting (B) Real Demand
(B) Supply (D) None of these

4. माँग पूर्वानुमान को किस रूप में जाना जाता है।

- (A) बाजार माँग (B) विपणन
(C) माँग एवं पूर्ति (D) इनमें से कोई नहीं

Demand force casting is which termed as-

- (C) Marketing Demand Marketing
(D) Demand Marketing None of these

(5) निम्न में से किसका उत्पाद सा सेवा का चुनाव करते समय ध्यान रखना जरूरी है।

- (A) प्रतियोगिता (B) उत्पादन लागत
(C) लाभ की संभावना (D) उपरोक्त सभी

Which of the following factors is to be considered, While selecting a product of Service?

- (A) Competition (B) Cost of Production
(B) Product Possibility (D) All of the above

(6) उपक्रम का चुनाव निर्भर करता है।

- (A) एकाकी व्यापार (C) साहसी का अधिकार
(C) साहसी की स्वयं की योग्यता (D) इनमें से कोई नहीं

Selection of an enterprise demand on?

- (A) Sole Trading (B) Right of Entrepreneur
(B) Self Ability of Entrepreneur (D) None of these

(7) व्यवसाय का ----- भी व्यवसाय के प्रारूप को निर्धारित करता है।

- (A) आकार (B) स्थान
(C) अध्ययन (D) इनमें से कोई नहीं

The Of Business also determines the form of Organisation.

- (A) Size (D) Conation
(B) Study (D) None of these

(8) ----- व्यवसाय से जुड़ी एक प्रमुख समस्या है।

- (A) जोखीम प्रबंध (B) मुद्रा

(C) विपणन

(D) इनमें से कोई नहीं

..... A main Problem connect of Business.

(A) Risk Management

(B) Money

(B) Marketing

(D) None of these

(9) नियोजन हैं।

(A) लक्ष्य अभीमुखी

(B) उद्देश्य अभीमुखी

(C) मानसिक प्रकिया

(D) उनयुक्त सभी

Planning is

(A) Good Oriented

(B) Object Oriented

(C) Mental Process

(D) All of these

(10) नियोजन में शामिल हैं।

(A) क्या करना हैं।

(D) कब करना हैं।

(C) कैसे करना हैं।

(D) उनयुक्त सभी

Planning involve.

(A) What to do

(B) When to do

(C) How to do

(D) All of these

(11) परियोजना पहचान व्यवहार करती हैं।

(A) व्यवहार्य परियोजना विचार से

(B) तार्किक अवसर से

(C) प्रभावशाली माँग से

(D) इनमें से कोई नहीं

Project identification deals with.

(A) Viable product idea

(B) Logical opportunity

(C) Effective Demand

(D) None of these

(12) उपकरणों के प्रमाणीकरण में कमी होती हैं।

(A) आंतरिक बाधाओं से

(B) बाह्य बाधाओं से

(C) सरकारी बाधाओं से

(D) नियामक बाधाओं से

Lack of standardisation of the equipment is due to.

(A) Internal Constraints

(B) External Constraints

(C) Government Barriers

(D) Regulatory Constraints

(13) परियोजना निम्न में से संबंधित नहीं होती।

(A) नवप्रवर्तन

(B) कल्पना शक्ति

(C) जोखिम

(D) सृजनता

Project is not concerned with..

- (A) Innovation (B) Vision
(C) Risk (D) Creative

(14) तकनीकी-आर्थिक विश्लेषण में पहचान किया जाता है।

- (A) पूर्ति सम्भावना (B) माँग सम्भावना
(C) निर्यात सम्भावना (D) आयात सम्भावना

Choose the correct alternative from the following.

- (A) Supply Potential (B) Demand Potential
(C) Export Potential (D) Input Potential

(15) निवेश विश्लेषण सम्बन्धित है।

- (A) निधिकरण आवश्यकताएँ (B) सामग्री आवश्यकताएँ
(C) श्रम आवश्यकताएँ (D) संसाधन आवश्यकताएँ

Input analysis deals with.

- (A) Funding Requirement (B) Mental Requirement
(C) Labour Requirement (D) Resource Requirement

(16) परियोजना तैयार की जाती है।

- (A) प्रवर्तकों द्वारा (B) प्रबंधकों द्वारा
(C) उद्यमी द्वारा (D) इन सभी के द्वारा

Project is prepared.

- (A) By Promoters (B) By Managers
(C) By Entrepreneurs (D) By All of these

(17) शुद्ध वर्तमान मूल्य विधि सम्बन्धित है।

- (A) मुद्रा का समय मूल्य से (B) मुद्रा का बढ़े हुए मूल्य से
(C) सभी भावी वर्तमान मूल्यों से (D) इनमें से कोई नहीं

Npv method relation method.

- (A) Time money of value (B) Inflected value of money
(C) Present value of money (D) None of these

(18) नियमित कार्यशील पूँजी का अंश होती है।

- (A) स्थायी कार्यशील पूँजी (B) परिवर्तन कार्यशील पूँजी
(C) शुद्ध कार्यशील पूँजी (D) इनमें से कोई नहीं

Permanent working capital.

- (A) Permanent working capital (B) Variable working capital
(C) Net working capital (D) None of these

(19) को"ग-प्रवाह विश्ले"ण में प्रयुक्त 'को"ग' शब्द का आशय है।

- (A) केवल रोकड़ (B) चालू सम्पतियाँ
(C) चालू दायित्व (D) चालू सम्पतियों का चालू दायित्व पर आधिभ्य

The term "fund" as used in fund flow analysis mean.

- (A) Cash only (B) Current Assets
(C) Current Liabilities (D) Excess current assets over current Liabilities

(20) नकद क्रय के कारण स्थायी सम्पति में वृद्धि हैं।

- (A) को"ग के स्ट्रो"त (B) को"ग का प्रयोग
(C) को"ग का अन्तः प्रवाह (D) इनमें से कोई नहीं

Increase in fixed assets due to cash purchases.

- (A) Sources of fund (B) Application of fund
(C) Input of fund (D) None of these

(21) स्कन्ध आर्वत अनुपात आता हैं।

- (A) तरलता अनुपात (B) लाभदायक अनुपात
(C) क्रियाशीलता अनुपात (D) वित्तीय स्थिति अनुपात

Stock turner ratio comes under.

- (A) Liquidity Ratio (B) Profitability Ratio
(C) Activity Ratio (D) Financial Ratio

(22) लाभ -मात्रा अनुपात-

- (A) $\frac{\text{अंशदान}}{\text{बिक्री}} \times 100$ (B) $\frac{\text{बिक्री}}{\text{अंशदान}} \times 100$
(C) $\frac{\text{अंशदान}}{\text{बिक्री}}$ (D) इनमें से कोई नहीं।

P/V Ratio

- (A) $\frac{\text{Contribution}}{\text{Sales}} \times 100$ (B) $\frac{\text{Sales}}{\text{Contribution}} \times 100$
(C) $\frac{\text{Contribution}}{\text{Sales}}$ (D) None of these.

(23) जोखिम पूँजी शिलाधार स्थापित किया गया।

- (A) 1970 (B) 1975
(C) 1986 (D) 1988

Risk capital foundation was established in---

- (A) 1970 (B) 1975
(C) 1986 (D) 1988

(24) उधमी पूँजी विचार उत्पन हुआ।

- (A) भारत (B) इग्लैंड
(C) अमेरिका (D) जापान

Venture capital thought was firstly originated in .

- (A) India (B) England
(C) America (D) Japan

(25) श्रम-गहन प्रौद्योगिकी उपयोगी हैं।

- (A) विकासशील देशों हेतु (B) विकसित देशों हेतु
(C) पिछड़ी अर्थव्यवस्था हेतु (D) उपर्युक्त में से किसी के लिए नहीं

Labour- intensive technique is useful.

- (A) For developing countries (B) For developed countries
(C) For backward economies (D) For None of these

(26) नग्न ऋण पत्र होते हैं।

- (A) पूर्णतः सुरक्षित (B) आंशिक सुरक्षित
(C) असुरक्षित (D) इनमें से कोई नहीं

Naked debentures are..

- (A) Fully Secured (B) Partly Secured
(C) Unsecured (D) None of these

(27) संघीय एक तकनीक हैं।

- (A) उसी उद्योग में विस्तार करना (B) अन्य क्षेत्रों में विविधता करना
(C) अन्य ईकाई को लेकर (D) संगठन को उप-ईकाईयों में बाँटकर

Conglomeration is a technique to.

- (A) Expand in the same industry (B) Diversity in other areas
(C) Taking over other Units (D) Divide the organisation

(28) बाजार बेधन में-

- (A) एक सम्पत्ति (स्कूटर) दूसरे के लिए विनिमय
(B) एक पुरानी (स्कूटर) एक नए से बदलना
(C) एक सम्पत्ति (स्कूटर) कैश में बेचना
(D) एक सम्पत्ति (स्कूटर) ऑनलाइन खरीदारी पर

Under market penetration-

- (A) An asset "scoter" is exchange for another
(B) An old asset "scoter" is exchanged for new
(C) An asset "scoter" is sold for cash

(D) An asset “scoter” is sold online purchase system.

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) B	(8) A	(15) D	(22) A
(2) C	(9) D	(16) D	(23) B
(3) A	(10) D	(17) C	(24) C
(4) A	(11) A	(18) A	(25) A
(5) D	(12) B	(19) D	(26) C
(6) C	(13) D	(20) B	(27) B
(7) A	(14) B	(21) C	(28) C

खण्ड-II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :- यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देंगे तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answers to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. वातावरणीय विश्लेषण की क्या सीमाएँ हैं।

What are the limitation of Environmental analysis ?

वातावरणीय विश्लेषण की मुख्य सीमाएँ निम्नलिखित हैं:-

- 1) उपक्रमों की प्रभावशाली की गारंटी नहीं है- वातावरणीय विश्लेषण अपने आप में किसी संस्था की प्रभावशीलता की गारंटी नहीं हैं।
- 2) व्यावहारिकता में कठिनाई - वातावरणीय विश्लेषण के कार्य रूप देना वस्तुतः एक जटिल काम हैं। यह कभी -कभी अल्प अवधि के लिए प्रतिबंधित होता हैं।
- 3) अनिश्चित भविष्य - वातावरणीय विश्लेषण भविष्य की अनिश्चिता के सम्बन्ध में कुछ भी नहीं बताता हैं। व्यवसाय में नित्य प्रतिदिन नई-नई समस्याएँ उत्पन्न होती रहती हैं चाहे कितनी भी सावधानी क्यों नहीं रखी जाए।

The major limitation of environmental analysis are summed of as follows -

1. Inference of factors, No Guarantee : The environmental analysis is not a guarantee.
2. Difficult in practical application :- It is difficult to give a practical shape to environmental analysis. Sometimes, it is indicative on a short term basis.
3. Uncertain future :- Nothing is predictable about the fate of the environmental analysis

2. पूर्वाधिकार अंश क्या हैं।

what is preference share?

पूर्वाधिकार अंशों से तात्पर्य उन अंशों से है जिन्हें लाभांश के भुगतान में प्राथमिकता दी जाती है। इन्हें लाभांश देने के पश्चात साधारण अंशधारियों के अन्त में लाभांश दिया जाता है। लाभांश की दर निश्चित होती है। कम्पनी के समापन होने पर समता अंशधारियों की पूर्ण वापस की जाती है।

Preference share are those shares which have a preference to get divided according to a fixed rate and repayment of their capital at the liquidation of company before equity shareholders.

3. खिड़की प्रदर्शन से आप क्या समझते हैं।

What do you mean by window Dressing ?

कुछ कम्पनियाँ अपने वित्तीय विवरणों को विन्डो ड्रेसिंग कर प्रदर्शित करती हैं, ताकि वाह्य पक्षों के समक्ष वित्तीय स्थिति एवं लाभदायकता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। अतः ऐसे वित्तीय विवरणों के आधार पर गणना किये गये अनुपातों के सम्बन्ध में सावधान रहने की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके आधार पर सही निर्णय नहीं लिए जा सकते किन्तु वाह्य पक्षों के लिए यह जानना अत्यंत कठिन है कि फर्म में विन्डो ड्रेसिंग किया गया है।

Some of the companies display their financial statements on window dressing so as a better picture of their financial strength and profitability of strength one ought to remain cautious, because on the basis of such ratio-projection the correct decision can not be taken since the exterior concerns find it difficult to be believe this window dressing.

4. प्रौद्योगिकी को परिभाषित किजिए।

Define Technology.

प्रौद्योगिकी से अभिप्राय संगठन द्वारा अपने साधन आगमों को उत्पत्ति में बदलने के लिए चातुर्या यन्त्र एवं पद्धतियों से लिया जा सकता है। जे० के० गैलब्रेथ के अनुसार, 'प्रौद्योगिकी को व्यावहारिक कार्यों को सम्पन्न करने हेतु उपयोग की गई वैज्ञानिक विधियों अथवा अन्य संगठित ज्ञान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।' उक्त परिभाषा के आधार पर कहा जा सकता है कि प्रौद्योगिकी किसी प्रक्रिया को सम्पन्न करने अथवा उत्पादों अथवा सेवाओं सम्बंधी समस्याओं को हल करने की विधि ज्ञान है।

Technology implies change of its sources – skill, technology, equipment into production by organisation according to J.K Gailbraith, "Technology is used for accomplishing business activities by exploiting the scientific methods and others organising skill and for acquiring this knowledge, can be defined in this way". On the basis of the aforesaid definition it can be inferred that technology is a method to

the used for concluding an activity and solving this problems in relation to the products or services.

5. प्रबंध कला और विज्ञान दोनो है! कैसे!

Management is both art as well as science .How?

निःसंदेह प्रबंध कला और विज्ञान दोनो हैं। वास्तव में प्रबंध के वैज्ञानिक एवं कलात्मक रूपों को अलग नहीं किया जा सकता। सैद्धांतिक ज्ञान व्यावहारिक ज्ञान के बिना अधुरा है, तथा व्यावहारिक ज्ञान के बिना सैद्धांतिक ज्ञान का उपयोग नहीं हो सकता अर्थात एक कुशल प्रबंधक के लिए ज्ञान और अनुभव दोनो परम आवश्यक हैं।

Undoubtly , Management in both art as well as science. In facts, its interrelationship between science and art is inseparable. The science based on principles is incomplete in absence of behavioural knowledge and viva-versa or for a successful manager, both knowledge and experience are of paramount importance.

6. विपणन और विक्रय में अंतर स्पष्ट करें।

Differentiale between marketing & selling.

विपणन

विक्रय

<p>1) उद्देश्य—विपणन का उद्देश्य ग्राहको को संतुष्टि प्रदान कर लाभ अर्जित करने से है।</p> <p>2) क्षेत्र—विपणन का क्षेत्र व्यापक हैं। इसमें विक्रय भी सम्मिलित हैं।</p> <p>3) प्रारंभ—विपणन का प्रारंभ वस्तु निर्माण के विचार के साथ ही हो जाता हैं।</p> <p>4) अन्त—इसका अन्त ग्राहकों की संतुष्टि के बाद होता हैं।</p>	<p>विक्रय का उद्देश्य वस्तुओ तथा सेवाओं का अधिकतम विक्रय करना हैं।</p> <p>2) विक्रय का क्षेत्र सिमित हैं। विपणन का ही अंग हैं।</p> <p>3) विक्रय का प्रारंभ वस्तुओ के उत्पादन के पश्चात होता हैं।</p> <p>4) इसका अन्त विक्रय हो जाने के बाद हो जाता हैं।</p>
--	---

<p>1. Object – The objective is to earn profit by statisfying customers.</p> <p>2. Scope –The scope is much wider which includes selling also.</p> <p>3. Start – The very thought of production marks the start of marketing.</p> <p>4. End- The end lies in customer satisfaction .</p>	<p>1. Here, the objective is to achieve maximum sale of the products or services.</p> <p>2. It has a limited scope, science it is a part of marketing.</p> <p>3. The beginning sale starts after production.</p> <p>4. Its end lies when the sale is over.</p>
--	--

7. अल्पकालीन वित्त के साधन क्या हैं।

What are the sources of short term finance?

अल्पकालीन वित्त के साधनों को दो वर्गों में विभक्त किया गया हैं।

(क) बैंक साधन

1 सुरक्षित ऋण

2 बैंक अधिविक्रय

- 3 असुरक्षित ऋण
- 4 बिलो पर कटौती
- (ख) गैर बैंक साधन
 - 1 व्यापारिक ऋण
 - 2 खुला खाता
 - 3 जन निक्षेप
 - 4 बकाया दायित्व
 - 5 कम समय के लिए ऋण
 - 6 प्रतिज्ञा पत्र एवं हुण्डी

The sources of short term finance can be divided into two parts:-

(A) Bank Sources

1. Secured Loans
2. Bank Overdrafts
3. Unsecured Loans
4. Discounting Bill

(B) Non-Banking Sources

1. Trade Loans
2. Open account
3. Public Deposit
4. Outstanding Liabilities
5. Short-terms Loan
6. Promissory Notes & Hundies

खण्ड—III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :- यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देंगे तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. नये उपक्रम को स्थापित करने के पूर्व साहसी को किन किन बातों पर ध्यान देना चाहिए।

What essential factors should be considered by an entrepreneur before setting up of a new enterprises?

किसी भी उपक्रम को चलाने में पाँच 'M' की आवश्यकता होती हैं।

- 1) श्रम 2) कच्चा माल 3) संयंत्र 4) मुद्रा 5) बाजार

जिस प्रकार मानव का शरीर पाँच तत्वों से निर्मित है, ठीक उसी प्रकार उपक्रम को चलाने में भी पाँच तत्वों की आवश्यकता होती हैं।

- 1) श्रम— उत्पादन के समस्त साधनों में श्रम की महत्ता सर्वोत्तम है। अच्छी श्रम शक्ति के आधार पर ही उपक्रम की सफलता सुनिश्चित है। उपक्रम को संचालन हेतु कुशल एवं अकुशल दोनों तरह के श्रम की जरूरत होती है।
- 2) कच्चा माल— यदि उपक्रम उत्पादन से संबंधित है, तो स्थापना के पूर्व कच्चे माल की उपलब्धता किस्म, मूल्य, आपूर्ति की निरंतरता आदि पर विचार करके इनकी व्यवस्था करनी पड़ती है।
- 3) संयंत्र— उत्पादन चाहे बड़े या छोटे किसी पैमाने पर हो, इसके लिए संयंत्रों की आवश्यकता पड़ती ही है। उपक्रम प्रारंभ करने से पूर्व इसकी व्यवस्था करनी चाहिए।
- 4) मुद्रा— मुद्रा अर्थात् पूँजी उपक्रम का जीवनरक्त है। इसके बिना उपक्रम की कल्पना की ही नहीं जा सकती है। अतः उपक्रम स्थापना के पूर्व इसकी व्यवस्था करनी ही पड़ती है।
- 5) बाजार— उपक्रम के उत्पादित वस्तुओं को बेचने हेतु निकट के बाजार की आवश्यकता पड़ती है। बाजार के माँग के अनुसार ही उत्पादन किया जाता है, ताकि माल बर्बाद न हो सकें अन्यथा साहसी का उत्पादन टप हो जाएगी।

In order to successfully operate an enterprise there requires five “M”.

(I) Men (ii) Materials (iii) Machine (iv) Money (v) Market

(I) Men or Labour:- Without men we can not imagine of an enterprise. In all the recourses of production the ingredient of labour is the most mobilising element that stimulates all others factors and turns even the most useless things into a useful one. For the successful operation of an enterprise both kinds of skilled and unskilled labour force are required.

(ii) Raw-Materials:- If the enterprise is production oriented a prior arrangement should be emphasised with regards to availability type, cost/price and a regular supply of the raw-materials.

(iii) Machine:- Whatever be the scale of the enterprise whether big or small, machines are required in either case. Prior to the establishment the machinery and the others equipment should be purchased and installed as well.

(iv) Money:- Money/capital is the life blood of an enterprises without which the establishment is an inconceivable presumption. The capital in long and short term and its amount and the capital resources are the pre-emptive requirement.

(v) Market:- In accordance with the presumed estimate the production is to be ensured under production or over production both can incur losses. According to the demand of market, entrepreneur supplies product in the market.

9. कार्य पूँजी का महत्व अथवा लाभ अथवा आवश्यकता पर प्रकाश डालें ?

Discuss importance or advantage or needs of working capital.

जिस प्रकार मनुष्य के जिन्दा रहने के भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार व्यवसाय को जीवित रखने एवं उसका संचारमन करने के लिए कार्यशील पूँजी आवश्यकता होती है। कार्यशील पूँजी आवश्यकता से अधिक या कम दोनों ही स्थिति में खतरनाक है इस दृष्टि से व्यवसाय में कार्यशील पूँजी पर्याप्त होनी चाहिए इसके होने से निम्नांकित लाभ प्राप्त होते हैं:-

- (1) व्यवसाय की शोधन क्षमता को बनाए रखने में सहायक है।
- (2) छोटे-छोटे संकटों, आकस्मिक घटनाओं, व व्यापारिक संकटों का सरलता पूर्वक सामना किया जा सकता है।
- (3) अनुकूल बाजार अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।
- (4) संचालन मंडल आकर्षक लाभांश वितरित कर सकते हैं। अंशधारी संतुष्ट रहते हैं, तथा अंश बाजार में अंशों का बाजार मूल्य स्थिर बनाए रखा जा सकता है।
- (5) नकद छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

(6) वेतन –मजदूरी तथा अन्य दैनिक व्ययों का यथा समय भुगतान किया जा सकता है।

The way in order to remain alive food is essential for man similarly in order to sustain a business the working capital is essential but it is fatal if the working capital exceeds or fall short of. If there is surfeit of it, It encourages the extravagance, administrative lapses, dissatisfaction among share holders incredibility of the financial institutions decline in profitability. Fostering of speculation increasing delay, corruption like other problems etc. On the contrary, in the event of paucity of the working capital difficulties start raising their ugly hood in terms of operation of business to liquidity and other unforeseen problem. Therefore there should be an adequate working capital which yield due the following benefits:-

(i) Helps to maintain solvency of business.

(ii) It is easy to overcome trivial problems. Unfore seen accident and business crisis etc.

(iii) The appropriate business opportunities can be easily exploited.

(iv) Boards of Director can distribute attractive dividend the share holders remain content and the rate of shares remain stable in the market.

(v) The benefit of cash discount can be avoided of.

(vi) There is convenience in disbursing the salaries/wages and daily expenditure as per schedule.

10. वित्तीय प्रबंध को परिभाषित किजिए।

Discuss financial management?

वित्त व्यवसाय का मूलाधार है। इस के बिना न तो कोई व्यवसाय आरंभ ही किया जा सकता है, और न उसका विकास ही संभव है। वित्तीय प्रबंध का सम्बंध व्यवसाय का वित्त संस्थाओं से है जो कुशल संचालन एवं उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए की जाती है। कहा जाता है कि वित्त व्यवसाय का जीवन रक्त है। किसी व्यवसाय की स्थापना उसके लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने जैसे— भूमि, भवन, कच्चा माल, प्लांट एवं मशीनरी फर्नीचर इत्यादि का भुगतान करने तथा उसके संवर्धन के लिए पर्याप्त वित्त की आवश्यकता होती है।

वित्तीय प्रबंध की परिभाषा भिन्न-भिन्न विद्वानों द्वारा इस प्रकार दी गई है:-

1) हावर्ड एवं उपटन के अनुसार वित्तीय प्रबंध से आशय नियोजन नियंत्रण कार्यों को वित्त कार्य पर लागू करना है।

2) गथमैन एवं डग्गल के अनुसार, 'वित्तीय प्रबंध का संबंध ऐसी गतिविधियों से है जो व्यवसाय में प्रयुक्त कोषों के नियोजन, एकमात्र नियंत्रण एवं प्रशासन से जुड़ी हुई हो।

3) जे0 एल0 मैसी के अनुसार वित्तीय प्रबंध वह संचालनात्मक क्रिया है, जो एक व्यवसाय के कुशल संचालन के लिए आवश्यक वित्त को उपलब्ध कराने तथा उसका प्रभावपूर्ण उपयोग करने के लिए उत्तरदायी होती है।"

Finance is the base of business, in the absence of which neither can any business be started nor can grow. Financial management is skin to the financial arrangements in which an efficient operation for achieving the projected objectives can be ensured. It is said that financial management means managing for any organisational health with finance, Which is also required as the life blood of any organisation. Establishing for any commercial organisation and requisite sources for it. Such as land, building raw material, plant & machinery furniture and other infrastructure

etc. Payment of general expenses and for distribution an adequate amount of finance is needed.

Definitions of 'financial management':- Various scholars have defined in different ways as their perception and belief, some of significant definitions are as follows:-

(I) According to the Howards upon," financial management is the application of the planning and control function to the finance function,"

(II) According to Guthmann & Dougall," Business finance is the activity concerned with the planning, raising, controlling and administering the funds used in business."

(III) According to J.L massie," financial management in the operational activity of a business that is responsible for obtaining and effectively utilizing the funds necessary for efficient operations."

11. विज्ञापन से क्या आशय है? विज्ञापन विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन किजिए।

Which is meant by Advertising? Explain in brief the characteristics of advertising.

'विज्ञापन' शब्द 'वि' तथा 'ज्ञापन' दो शब्दों से मिलकर बना है। 'वि' का अर्थ विशेष"ता या विशि"त और ज्ञापन का अर्थ विशेष"ता जानकारी देना है। अतः विज्ञापन का अर्थ विशेष"ता जानकारी दर्शाने से है। वर्तमान में विज्ञापन का अर्थ केवल जानकारी देने तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके द्वारा नए ग्राहकों का सृजन किया जाता है एवं पुराने ग्राहकों को स्थायी बनाया जाता है। विज्ञापन के अन्तर्गत विभिन्न माध्यमों से ग्राहकों को वस्तुओं तथा सेवाओं के सम्बन्ध में सूचना देकर उनमें जनता का विश्वास जमाने का प्रयास किया जाता है और जनता को क्रय के प्रति आकर्षित करके वस्तुओं का अधिकाधिक विक्रय किया जाता है। संक्षेप में विज्ञापन का आशय संभावित ग्राहकों को उत्पाद अथवा सेवा की जानकारी देना तथा उन्हें क्रय करने के लिए प्रेरित करना है।

व्हीलर के अनुसार विज्ञापन लोगों के क्रय करने के उद्देश्य से विचारों, वस्तुओं तथा सेवाओं का अवैयक्तिक प्रस्तुतिकरण है जिसके लिए भुगतान किया जाता है।"

शेल्डन के अनुसार,"विज्ञापन ऐसी व्यवसायिक शक्ति है जिसके अन्तर्गत मुद्रित शब्दों द्वारा विक्रय वृद्धि में सहायता मिलती है, ख्याति का निर्माण होता है तथा साख बढ़ती है।"

विज्ञापन की विशेष"ताएँ:-

- 1) विज्ञापन सदैव व्यक्तिगत होता है।
- 2) विज्ञापन द्वारा संदेश जन साधानण के पास सार्वजनिकरूप से पहुँचाया जाता है।
- 3) इसके लिए विज्ञापन दाता द्वारा भुगतान किया जाता है।
- 4) विज्ञापन का संदेश लिखित अथवा मौखिक हो सकता है।
- 5) विज्ञापन का उद्देश्य ग्राहकों को विज्ञापित सामग्री का क्रय करने के लिए प्रेरित करना है।

The wordly meaning of advertising is to give specific information. At present the meaning of advertising is not limited to give only information but the new customers are created by it and the old customers are made permanent. Under advertising goods and service by various mediums and maximum sale by goods is done by attracting the public towards purchase. In brief advertising is meant to give information of its products and services to the proposed customers and to inspire them for purchasing.

According to wheeler," Adverting is impersonal presentations of thought, goods and services with the objective of inspiring the people to purchases."

According to the Sheldon," Adverting is such a commercial power under which sale is increased by printed words, goodwill is formed and credit increases."

Characteristics of adverting:-

(I) Adverting is always impersonal.

- (II) The message is made to reach the general public publically by adverting.
- (III) Advertiser paid for it.
- (IV) The message of adverting can be written or oral.
- (V) The objective of adverting is to inspire the costumers to purchase the advertised material.